सीएसए में चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। साथ ही बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के लिए बनाई गई शैक्षणिक सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस चार दिवसीय शिविर के अंतर्गत डॉ. सुमेधा चौधरी और श्रीमती रेनू के मार्गदर्शन मे छात्राओं द्वारा आयोजित विभिन्न क्रियाओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके अंतर्गत संगीत, क्राफ्ट, आर्ट एवं खेलों द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य एवं अस्वस्थ भोजन, विभिन्न जलवायु, विज्ञान के तथ्यों आदि की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने फायरलेस कुकिंग द्वारा व्यंजन बनाए तथा उनका आनंद लिया। कहानी एवं नाटक के माध्यम से वन्य

जीवो के प्रति प्रेम एवं मानव जीवन में उनके महत्व का ज्ञान दिया गया। छात्राओं ने डॉ अदिति दत्त के मार्गदर्शन में सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास हेतु तैयार मॉडल /सामग्री का प्रदर्शन किया। इन सभी क्रियाओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया । इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से ऑटिज्म एवं ब्रेल पद्धति पर शैक्षणिक सामग्री प्रस्तुत की गई।साथ संज्ञानात्मक विकास, संवेदनात्मकविकास, सामाजिक विकास एवं आई-हैंड कोऑर्डिनेशन से संबंधित क्रियाओं और मॉडल प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा की तथा कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी । बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु पक्षियों के लिए परांदा भी लगाए गए। इस कार्यक्रम में उपस्थितजनो, शिक्षिकाओ एवं प्रतिभाग करने वाले बच्चों के माता पिता ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान की शिक्षिकाएं डॉ.ऋतु पाण्डेय,डॉ एकता शर्मा, डॉ अर्चना सिंह,एवं डॉ संघमित्रा महापात्रा आदि उपस्थित रही।

अमर उजाला 30/06/2025

विक्रमादित्य व राजा भोज की कहानियों से उनमें नै... समेत संवेद... जैसे गुणों का विकास होगा। खास बात है ... को जोड़ा ...न-पाकिस्तान ...ग्रस्त हो गए और गतिविधि... भाषा पर जोर ... किया है।

जेईई मेन की रैंक से कृषि विवि में मिलेगा दाखिला

इटावा कृषि इंजीनियरिंग और मत्स्य कॉलेज में मिलेगा प्रवेश

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध कृषि महाविद्यालयों में अब यूपी कैटेट के अलावा जेईई मेन की रैंक के आधार पर भी दाखिला मिलेगा।

अभी इटावा में संचालित सीएसए के अधीन कृषि इंजीनियरिंग, मत्स्य एवं डेरी कॉलेज में जेईई मेन की रैंक के आधार पर दाखिले होंगे। जिन अभ्यर्थियों ने जेईई मेन की परीक्षा उत्तीर्ण की है वह अपना पंजीकरण एकेटीयू के पोर्टल पर कराकर काउंसलिंग में शामिल हो सकते है।

पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 जून है। इटावा इंजीनियरिंग कॉलेज में पात्र विद्यार्थियों को शत प्रतिशत छात्रवृत्ति प्राप्त होती है। पिछले साल कॉलेज के मैकेनिकल ब्रांच के सभी छात्रों का प्लेसमेंट हुआ था। सीएसए ने प्रदेश के पांचों कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग व प्रवेश का कार्यक्रम जारी कर दिया है। काउंसलिंग का पहला चरण 27 जून से शुरू हो चुका है। दूसरा चरण नौ जुलाई से शुरू होगा। पहले दो चरणों में पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुपालन के स्नातक पाठ्यक्रमों की काउंसलिंग कराई जाएगी।

पहले चरण की प्रक्रिया सात जुलाई तक पूरी होगी, जबकि दूसरे चरण की प्रक्रिया नौ से 19 जुलाई तक चलेगी। इसके बाद कृषि स्नातक, परास्नातक व पीएचडी समेत अन्य पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। इन पाठ्यक्रमों के लिए पहला चरण 21 जुलाई से शुरू होकर सात अगस्त तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 10 से 26 अगस्त तक और तीसरा चरण 29 अगस्त से शुरू होकर 15 सितंबर को पूरा होगा।

उद्यमियों व कर्मचारियों को पेंटिंग की बारीकियां सिखाएंगे विशेषज्ञ

कानपुर। पेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे उद्यमियों, कर्मचारियों को पेंटिंग की बारीकियां सिखाने और नई तकनीक की जानकारी देने की जिम्मेदारी हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) ने उठाई है। इसके लिए संस्थान में पूर्व छात्रों की मदद से पेंट टेक्नोलॉजी विभाग में तैयार किए गए पैक्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में छह दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। सात जुलाई से शुरू हो रहे प्रशिक्षण में उद्यमियों व कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया है। एचबीटीयू के पेंट विभाग के अध्यक्ष प्रो. अरुण मैथानी ने बताया कि संस्थान में स्थापित पेंट एक्सीलेंस सेंटर का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो सात से 12 जुलाई तक चलेगा। इसके तहत उद्यमियों और पेंट उद्योग के कर्मियों को पाउडर कोटिंग व अन्य अत्याधुनिक पेंट तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए पंजीकरण कराया जा सकता है। (ब्यूरो)

चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के मानव विकास विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के लिए बनाई गई। शैक्षणिक सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन किया।

इस चार दिवसीय शिविर के अंतर्गत डॉ. सुमेधा चौधरी और रेनू के मार्गदर्शन मे छात्राओं द्वारा आयोजित विभिन्न क्रियाओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके अंतर्गत संगीत, क्राफ्ट, आर्ट एवं खेलों द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य एवं अस्वस्थ भोजन, विभिन्न जलवायु, विज्ञान के तथ्यों आदि की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने फायरलेस कुकिंग द्वारा व्यंजन बनाए तथा उनका आनंद लिया।

कहानी एवं नाटक के माध्यम से वन्य जीवो के प्रति प्रेम एवं मानव जीवन में उनके महत्व का ज्ञान दिया गया। छात्राओं ने डॉ अदिति दत्त के मार्गदर्शन में सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास हेतु तैयार मॉडल /सामग्री का प्रदर्शन किया। इन सभी क्रियाओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से

ऑटिज्म एवं ब्रेल पद्धति पर शैक्षणिक सामग्री प्रस्तुत की गई। संज्ञानात्मक विकास, संवेदनात्मकविकास, सामाजिक विकास एवं आई-हैंड कोऑर्डिनेशन से संबंधित क्रियाओं और मॉडल प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा की तथा कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी । बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु पक्षियों के लिए परांदा भी लगाए गए। इस कार्यक्रम में उपस्थितजनो, शिक्षिकाओ एवं प्रतिभाग करने वाले बच्चों के माता पिता ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
वर्ष: 15 अंक : 159 कानपुर,सोमवार 30 जून 2025 RNI UPHIN/2010/47220

सीएसए में चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। साथ ही बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के लिए बनाई गई शैक्षणिक सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस चार दिवसीय शिविर के अंतर्गत डॉ. सुमेधा चौधरी और श्रीमती रेनू के मार्गदर्शन मे छात्राओं द्वारा आयोजित विभिन्न क्रियाओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके अंतर्गत संगीत, क्राफ्ट, आर्ट एवं खेलों द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य एवं अस्वस्थ भोजन, विभिन्न जलवायु, विज्ञान के तथ्यों आदि की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने फायरलेस कुकिंग द्वारा व्यंजन बनाए तथा उनका आनंद लिया। कहानी एवं नाटक के माध्यम से वन्य जीवो के प्रति प्रेम एवं मानव जीवन में उनके महत्व का ज्ञान दिया गया। छात्राओं ने डॉ अदिति दत्त के मार्गदर्शन में सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास हेतु तैयार मॉडल /सामग्री का प्रदर्शन किया। इन सभी क्रियाओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया । इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से ऑटिज्म एवं ब्रेल पद्धति पर शैक्षणिक सामग्री प्रस्तुत की गई साथ संज्ञानात्मक विकास, संवेदनात्मकविकास, सामाजिक विकास एवं आई-हैंड कोऑर्डिनेशन से संबंधित क्रियाओं और मॉडल प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा की तथा कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी । बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु पक्षियों के लिए परांदा भी लगाए गए। इस कार्यक्रम में उपस्थितजनो, शिक्षिकाओ एवं प्रतिभाग करने वाले बच्चों के माता पिता ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान की शिक्षिकाएं डॉ.ऋतु पाण्डेय,डॉ एकता शर्मा, डॉ अर्चना सिंह,एवं डॉ संघमित्रा महापात्रा आदि उपस्थित रही।

The Pioneer

Paper with passion since 1865

RNI No. 2016/1957 I Late City Vol.161 Issue 176 I *Air Surcharge Extra if Applicable

LUCKNOW, MONDAY JUNE 30, 2025; PAGES 12 ₹3

DELHI LUCKNOW BHOPAL BHUBANESWAR RANCHI CHANDIGARH DEHRADUN HYDERABAD

Summer camp concludes

PIONEER NEWS SERVICE
Kanpur

The four-day summer camp organised under the guidance of Dr Mukta Garg, in charge, Department of Human Development, CSAU&T, concluded successfully with an environmental conservation programme. As part of the event, BSc 4th semester students showcased an exhibition of educational materials designed for both typical and differently-abled children. During the camp, under the mentorship of Dr Sumedha Chaudhary and Renu, various interactive and creative activities were conducted.

अंक-117 कानपुर, सोमवार 30 जून 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

सीएसए में चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का हुआ समापन

आज का कानपुर

कानपुर । चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मानव विकास विभाग की प्रभारी डॉ. मुक्ता गर्ग के निर्देशन में संचालित चार दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का समापन पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। साथ ही बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के लिए बनाई गई शैक्षणिक सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस चार दिवसीय शिविर के अंतर्गत डॉ. सुमेधा चौधरी और श्रीमती रेनू के मार्गदर्शन मे छात्राओं द्वारा आयोजित विभिन्न क्रियाओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके अंतर्गत संगीत, क्राफ्ट, आर्ट एवं खेलों द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य एवं अस्वस्थ भोजन, विभिन्न जलवायु, विज्ञान के तथ्यों आदि की जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने फायरलेस कुकिंग द्वारा व्यंजन बनाए तथा उनका आनंद लिया। कहानी एवं नाटक के माध्यम से वन्य जीवो के प्रति प्रेम एवं मानव जीवन में उनके महत्व का ज्ञान दिया गया। छात्राओं ने डॉ अदिति दत्त के मार्गदर्शन में सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास हेतु तैयार मॉडल /सामग्री का प्रदर्शन किया। इन सभी क्रियाओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया । इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से ऑटिज्म एवं ब्रेल पद्धति पर शैक्षणिक सामग्री प्रस्तुत की गई।साथ संज्ञानात्मक विकास, संवेदनात्मकविकास, सामाजिक विकास एवं आई-हैंड कोऑर्डिनेशन से संबंधित क्रियाओं और मॉडल प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान संकाय डॉ सीमा सोनकर ने छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा की तथा कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी । बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु पक्षियों के लिए परांदा भी लगाए गए। इस कार्यक्रम में उपस्थितजनो, शिक्षिकाओ एवं प्रतिभाग करने वाले बच्चों के माता पिता ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान की शिक्षिकाएं डॉ.ऋतु पाण्डेय,डॉ एकता शर्मा, डॉ अर्चना सिंह,एवं डॉ संघमित्रा महापात्रा आदि उपस्थित रही।